

सरकार ने बदली तेल-गैस टैक्स नीति

रॉयल्टी दरों और प्रक्रियाओं को अधिक तर्कसंगत और सरल बना दिया है

नई दिल्ली, 12 मई केंद्र सरकार ने तेल और गैस क्षेत्र से जुड़ा एक बड़ा और अहम फैसला लिया है. सरकार ने कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और केसिंग हेड कंडेनसेट के लिए रॉयल्टी दरों और प्रक्रियाओं को अधिक तर्कसंगत और सरल बना दिया है. इस कदम का उद्देश्य देश के अपस्ट्रीम तेल और गैस सेक्टर को अधिक पारदर्शी, स्पष्ट और निवेश के लिए आकर्षक बनाना है.



को संचालन में कठिनाई का सामना करना पड़ता था. लेकिन नए बदलावों के बाद इन कमियों को दूर किया जाएगा और पूरे सेक्टर में विकास की गति को बढ़ावा मिलेगा. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है.

यह कदम भारत के ऊर्जा क्षेत्र को लंबे समय में मजबूत करेगा. स्पष्ट नियमों और बेहतर रॉयल्टी ढांचे से उत्पादन लागत में भी संतुलन आएगा, जिससे अंततः ऊर्जा क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा. सरकार का लक्ष्य है कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए. इसी दिशा में यह सुधार एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. आने वाले समय में इससे न केवल तेल और गैस उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी.

सरकार के इस फैसले के बाद अब तेल और गैस निकालने वाली कंपनियों के लिए नियमों में बेहतर स्पष्टता आएगी. पहले कई नियमों में जटिलताएं और अस्पष्टताएं थीं, जिससे कंपनियों

को अब ज्यादा स्पष्ट और स्थिर नियम मिलेंगे. इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने में आसानी होगी.



एम्ब्रेयर ने भारत फोर्ज के साथ कच्चे माल की डील की

फोर्ज कलपुर्जा की आपूर्ति के लिए भारत को पहला करार

विकासशील बाजारों में औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा देने में भी सहायक

नई दिल्ली, 12 मई. ब्राजील की विमान सेवा कंपनी एम्ब्रेयर ने फोर्ज कच्चे माल की आपूर्ति के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ करार की घोषणा की है. एम्ब्रेयर ने किसी भारतीय आपूर्तिकर्ता के साथ पहली बार फोर्ज कच्चे माल की आपूर्ति के लिए करार किया है.

साथ समर्थन प्रदान करेगा और कंपनी के आपूर्तिकर्ता आधार को विस्तार और विविधता प्रदान करने की रणनीति को मजबूत करेगा. साथ ही, यह प्रमुख विकासशील बाजारों में औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा.

एम्ब्रेयर के कार्यकारी उपाध्यक्ष (वैश्विक खरीद एवं आपूर्ति श्रृंखला) रॉबर्ट शेक्स ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला के लिए कंपनी भारत को एक बड़ा अवसर मानती है. यह अनुबंध एक अधिक मजबूत और प्रतिस्पर्धी आपूर्ति बनाने की योजनाओं को मजबूत करता है. साथ ही भारतीय विमान उद्योग के विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है.

यह समझौता एम्ब्रेयर की वैश्विक सप्लाई चेन को उच्च गुणवत्ता वाले फोर्ज उत्पादों के

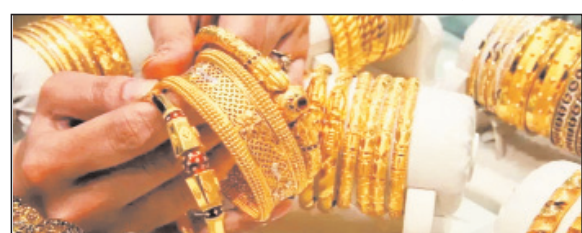
बड़े स्तर पर उत्पादन क्षमता विकसित करने में सक्षम बनाएंगे

भारत फोर्ज के उपाध्यक्ष एवं सह-प्रबंध निदेशक अमित बी. कल्याणी ने कहा कि यह तथ्य कि भारत फोर्ज एम्ब्रेयर के लिए फोर्ज कलपुर्जा का पहला भारतीय आपूर्तिकर्ता बना है, हमारे लिए गर्व का क्षण है और यह विमानन व्यवसाय में हमारी विकसित क्षमताओं का प्रमाण है. हम एम्ब्रेयर द्वारा जताये गये विश्वास के लिए उनका धन्यवाद करते हैं. आने वाले वर्षों में हम एम्ब्रेयर के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं. ये अनुबंध हमें महत्वपूर्ण कलपुर्जा के लिए बड़े स्तर पर उत्पादन क्षमता विकसित करने में सक्षम बनाएंगे.

सोना और चांदी की कीमतों में आई तेजी

1,592 रुपए महंगा हुआ सोना

11,620 रुपए उछली चांदी



नई दिल्ली, 12 मई. सोना और चांदी की कीमतों में 12 मई को रिकॉर्ड वृद्धि हुई. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 किलो चांदी 11,620 रुपए बढ़कर 2,67,820 रुपए पर पहुंच गई.

लाख रुपए तक पहुंच चुकी थी. विशेषज्ञ बताते हैं कि मिडिल ईस्ट में ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश

के तौर पर सोने में निवेश कर रहे हैं. डॉलर में गिरावट के कारण ग्लोबल मार्केट में सोने की मांग बढ़ी और घरेलू बाजार में भी कीमतें बढ़ गई हैं.

शेयर बाजार में आई गिरावट

मुंबई, 12 मई रुपये पर जारी दबाव और आईटी कंपनियों में भारी विकवाली के कारण मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गयी.



बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 326.89 अंक टूटकर 75,688.39 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 668.47 अंक (0.88 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 75,346.81 अंक पर था.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 93.25 अंक टूटकर 23,722.60 अंक

रुपया 79 पैसे लुढ़का

मुंबई, 12 मई. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर 95.28 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 94.49 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा. यह 38.50 पैसे गिरकर 94.9750 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. बीच कारोबार में यह ऊपर 94.8750 रुपये और नीचे 95.34 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंत में यह 95.28 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आयी तेजी से भी भारतीय मुद्रा कमजोर हुई है. लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 1.5 प्रतिशत की मजबूती के साथ 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया.

ईपीएफओ 3.0 से पीएफ निकासी आसान

नई दिल्ली, 12 मई कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने करोड़ों खाताधारकों के लिए एक बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है. जल्द ही ईपीएफओ 3.0 सिस्टम लॉन्च किया जाएगा, जिसके बाद भविष्य निधि (पीएफ) निकालने की प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा आसान और तेज हो जाएगी.



उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया है. अभी तक पीएफ निकालने के लिए ऑनलाइन क्लेम या कई दस्तावेजों की जरूरत होती थी,

इस नए सिस्टम के लागू होने के बाद कर्मचारियों को अपने पीएफ के पैसे निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया या दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. नई व्यवस्था के तहत ईपीएफओ खाताधारक अपने पीएफ फंड को एटीएम और यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए भी निकाल सकेंगे. इसका उद्देश्य पूरी प्रक्रिया को डिजिटल, पारदर्शी और

जिससे प्रक्रिया में समय लगता था और कई बार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था. लेकिन ईपीएफओ 3.0 इस सिस्टम को पूरी तरह बदलने जा रहा है. इस नए मॉडल में पीएफ निकासी को बैंकिंग सिस्टम की तरह सरल बनाया जाएगा. कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार सीधे यूपीआई या एटीएम से तय सीमा तक पैसा निकाल सकेंगे.

समाचार विशेष

6 दलों का साथ और कांटों भरा ताज !



चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा जीत में बड़ी जीत के बाद टीवीके को सरकार बनाने के लिए बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है. टीवीके विधानसभा चुनाव में 108 सीटों जीतने के बाद भी बहुमत साबित नहीं कर पाई. विजय के पास 107 विधायक हैं, क्योंकि उन्होंने दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ा था. बहुमत के लिए उन्हें 10 विधायकों की जरूरत थी. हालांकि, 5 विजयी विधायकों वाली कांग्रेस ने अपना पूरा समर्थन दिया था, लेकिन फिर भी 5 विधायकों की कमी थी. इसके बाद 2-2 विधायकों वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,

माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने विजय को समर्थन दिया, लेकिन राज्यपाल इससे भी संतुष्ट नहीं हुए. दो-दो विधायकों वाले विदुधलाई चिरुगिला काची और इंडियन युनियन मुस्लिम लीग के शनिवार को समर्थन देने की घोषणा के बाद विजय चौथी बार लोकभवन गये. तब जाकर राज्यपाल ने उन्हें मुख्यमंत्री नियुक्त किया. टीवीके ने रविवार (10, मई) को सुबह 10 बजे चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. उन्हें 13 मई तक विधानसभा में विश्वास मत हासिल करना होगा. विजय के 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली.

सीएम जोसेफ विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु को एक स्थायी सरकार देना है. विभिन्न दलों से मिलकर बनी यह सरकार को स्थायी बनाना विजय के सामने एक बड़ी चुनौती होगी. कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद गठबंधन में तालमेल और सामंजस्य बनाए रखना यह बहुत जरूरी होगा.

निकाय चुनाव में भी दिखेगी भाजपा की यूथ सोशल मीडिया पर सक्रियता बनेगी टिकट का आधार



भोपाल. मध्य प्रदेश में निकाय चुनावों के लिए भाजपा ने अपने परंपरागत तरीके में बदलाव करते हुए नए चेहरों को प्राथमिकता देने और चुनावी तैयारी करीब एक वर्ष पहले ही शुरू करने का फैसला किया है. पार्टी का उद्देश्य युवा नेतृत्व और नए चेहरों को मौका देना है ताकि जमीनी स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन किया जा सके.

योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए पार्टी ने चुनाव से काफी पहले ही खोजबीन और चयन प्रक्रिया शुरू करेगी. 60 वर्ष से अधिक आयु के नेताओं और लगातार तीन बार पार्षद रह चुके लोगों को टिकट दिए जाने की संभावना बेहद कम है. सोशल मीडिया पर उम्मीदवारों की सक्रियता, फॉलोअर्स की संख्या और डिजिटल जुड़ाव को चयन का एक महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है. अगले साल 2027 में नगरीय निकाय के चुनाव प्रस्तावित हैं. पिछले चुनाव में 16 नगर निगमों से पांच में कांग्रेस और

फील्ड पर सक्रिय युवाओं को भी मिलेगा मौका

अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली यानी जनता सीधे मतदान से करेगी. सीटों का आरक्षण भी होगा. इस नई व्यवस्था में भाजपा भी नए चेहरों को अधिक से अधिक अवसर देने की दिशा में काम कर रही है. पार्टी ने तय किया है कि चुनाव से ठीक पहले के बजाय अभी से प्रत्याशी तय करने की दिशा में काम किया जाए. संगठन के फील्ड के अलावा संभावित प्रत्याशी को लेकर सर्व भी कराया जाएगा. बीजेपी के संभाग व जिला प्रभारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई कि वे अपने-अपने प्रभार के क्षेत्र में ऐसे युवाओं को चिन्हित करें जो पार्टी में सक्रिय और लोकप्रिय हैं. ऐसे युवाओं के नाम आगे बढ़ाए जाएंगे.

एक पर आम आदमी पार्टी का महापौर चुना गया था. इसके अतिरिक्त अन्य नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में बीजेपी का वचस्व बरकरार रहा था. इन निकायों में अध्यक्ष के चुनाव सीधे जनता के स्थान पर पार्षदों के माध्यम से कराए गए थे. अब सरकार ने फिर व्यवस्था में परिवर्तन कर दिया है.

विशेष | कांग्रेस ने इस बार दो जातीय पार्टियों से तालमेल किया था.

असम में कांग्रेस के सहयोगी नाराज

गोवाहाटी. कांग्रेस पार्टी असम में बहुत बुरी तरह से हारी. उसके सिर्फ 19 विधायक जीते और उसमें भी 18 मुस्लिम हैं. कांग्रेस को लग रहा है कि इससे जो नैरेटिव बन रहा है वह आगे के चुनावों में कांग्रेस को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाएगा. आगे से मुसलमान भी कांग्रेस को वोट देना बंद कर देंगे. उनका वोट मुस्लिम पार्टियों को जाएगा.



रायजोर दल के नेता अखिल गोमोई ने कांग्रेस से नाराजगी जताई है. इस बार उनकी पार्टी के दो विधायक जीते हैं. अखिल गोमोई ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान कांग्रेस के

सर्वोच्च नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्वा नदारद थे. उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में रणनीति बनाने और फैसला करने वाला कोई नहीं दिख रहा था. असल में यह कांग्रेस की चिरंतन समस्या है, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी है. कांग्रेस के दूसरे सहयोगी असम जातीयता परिषद के नेता लुरिनजोत गोमोई हैं. उनकी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई. बताया जा रहा है कि वे भी कांग्रेस के प्रचार करने और चुनाव लड़ने की शैली से नाराज हैं. लेकिन कांग्रेस पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा. कांग्रेस ने गौरव गोमोई को नेता बनाया था. वे विधानसभा का चुनाव हार गए. अब वे दिल्ली की राजनीति करेंगे क्योंकि वे लोकसभा में पार्टी के उप नेता हैं.

इधर कैबिनेट विस्तार उधर बृजभूषण ने बढ़ाई टेंशन !

लखनऊ. यूपी में विधानसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम का वक्त बचा है. योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार हुआ है. इससे पहले बीजेपी सांसद रहे ब्रज भूषण शरण सिंह का एक

अलग-अलग मतलब निकाले जा रहे हैं. ऐसा माना जा रहा है कि ये पोस्ट योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उनकी नाराजगी हो सकती है. ऐसी चर्चा है कि बृजभूषण शरण सिंह अपने

बेटे प्रतीक सिंह को मंत्रिमंडल में जगह दिलाना चाहते थे. हालांकि उन्होंने कभी सार्वजनिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की, लेकिन सियायी हलके में लंबे



समय से ऐसी चर्चाएं चल रही थीं. बता दें कि योगी मंत्रिमंडल विस्तार में जिन आठ नेताओं का नाम सामने आया है. उनमें किसी की ठाकुर चहरे को जगह नहीं मिलने की बात कही जा रही है. ऐसे में बृजभूषण का ये पोस्ट उसी नाराजगी से भी जोड़कर देखा जा रहा है.

जातिय समीकरण साधने की कोशिश

भाजपा आगामी चुनाव से पहले इस बार मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की रणनीति पर फोकस कर रही है. भाजपा का फोकस ब्राह्मण, जाट, दलित, पारसी, वाल्मीकि, तोड़ी और अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को जगह देने पर है. यूपी की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कुल आठ मंत्रियों ने शपथ ली है. इनमें छह नए चेहरों को शामिल किया गया है, जबकि दो राज्य मंत्रियों को प्रमोट कर कैबिनेट या विस्तार प्रभार दिया गया है. इन सियासी हलचल के बीच बृजभूषण शरण सिंह का ये पोस्ट राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है. हालांकि पार्टी की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.